भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *207
18/12/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

अंटार्कटिका में समर्पित पीआरवी की आवश्यकता

207. श्री एस. निरंजन रेड्डी :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि एक समर्पित ध्रुवीय अनुसंधान पोत (पीआरवी) की अनुपस्थिति अंटार्कटिक क्षेत्र में भारत के स्वतंत्र अनुसंधान, संभार तंत्र (लॉजिस्टिक्स) और वर्ष भर चलने वाले प्रचालन में लगातार बाधा उत्पन्न कर रही है;

(ख) क्या विशेष रूप से ध्रुवीय अनुसंधान में प्रशिक्षित कर्मियों की कमी के साथ-साथ उन्नत और टिकाऊ वैज्ञानिक उपकरणों की आवश्यकता, भारत की ध्रुवीय अनुसंधान की संभावित क्षमता को सीमित कर रही है; और

(ग) पीआरवी को चालू करने में तेजी लाने, संभार तंत्र संबंधी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने तथा अंटार्कटिक और दक्षिणी महासागर क्षेत्रों में भारत की वैज्ञानिक क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग) विवरण सभा पटल पर रखा गया है।

"अंटार्कटिका में समर्पित पीआरवी की आवश्यकता" के संबंध में दिनांक 18 दिसम्बर 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु तारांकित प्रश्न संख्या *207 के (क) से (ग) के उत्तर में राज्य सभा के पटल पर रखा जाने वाला विवरण

(क) अंटार्कटिका के लिए भारतीय अभियानों, जिनमें निरंतर वर्ष भर चलने वाले प्रेक्षण, संभार तंत्र (लॉजिस्टिक्स) सहायता और संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल हैं, सालाना चार्टर्ड आइस-क्लास पोतों के उपयोग से बिना किसी रुकावट के जारी हैं। तथापि, एक समर्पित ध्रुवीय अनुसंधान पोत होने से निश्चित रूप से अंटार्कटिक क्षेत्र और आर्कटिक क्षेत्र में भी भारत के आत्मनिर्भर अनुसंधान, संभार तंत्र (लॉजिस्टिक्स) और वर्ष भर चलने वाले प्रचालन सुनिश्चित होंगे।

(ख) जी नहीं।

(ग) व्यय विभाग (DoE) ने हाल ही में पांच वर्षों (2025-2030) के दौरान एक ध्रुवीय अनुसंधान पोत (PRV) खरीदने के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन दे दिया है। परियोजना निगरानी एवं समन्वयन समिति (PMCC) जिसमें देश भर के विशेषज्ञ शामिल हैं, परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए तकनीकी, वित्तीय और प्रशासनिक पहलुओं में समन्वय बना रहना सुनिश्चित करते हुए मार्गदर्शन करती है।

****